16,000 निजी स्कूलों को फीस नियमों में मिली छूट

25 हजार से कम फीस, पोर्टल पर जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं

इंदौर। 25 हजार रुपए से कम वार्षिक फीस वसूलने वाले निजी स्कूलों को अब स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

विभाग ने साफ किया है कि जिन निजी विद्यालयों द्वारा 25 हजार रुपए से अधिक वार्षिक फीस वसूली जा रही है, उन्हें पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना अनिवार्य होगा।

इसके लिए अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि बिना अनुमति और उचित कारण के फीस नहीं बढ़ाई जा सकेगी।

प्रदेश में कुल 34,652 निजी स्कूल हैं, जिनमें से लगभग 16,000 स्कूल ऐसे हैं जिनकी किसी भी कक्षा में वार्षिक फीस 25 हजार रुपए या उससे कम है। मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित फीस संरचना (कक्षा एवं संवर्गवार) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।

यह अधिनियम 31 जनवरी 2025 से प्रभावी हुआ है। शुरू में इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई थी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि कई विद्यालयों ने पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने में तकनीकी समस्याओं की जानकारी दी है। इसे ध्यान में रखते हुए अपलोड की समय सीमा 15 मई तक बढ़ा दी गई है।

बिना अनुमति 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं फीस

इस अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि विद्यालय 10 प्रतिशत तक सालाना फीस वृद्धि बिना किसी पूर्व अनुमति के कर सकते हैं। इससे ज्यादा बढ़ाने के लिए संबंधित जिला समिति की अनुमति लेना आवश्यक होगा। यह प्रावधान इसलिए रखा गया है ताकि अभिभावकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न पड़े।

नई उपधारा के तहत, जिन स्कूलों की वार्षिक फीस 25 हजार रुपए से कम है, वे इस अधिनियम के दायरे से बाहर रहेंगे। इसके अतिरिक्त, फीस नियमन एवं संबंधित विषयों के लिए जिला स्तर पर और राज्य स्तर पर समिति गठित की गई है, जो इन मामलों की निगरानी करेगी।

राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी को दी जाएगी श्रद्धांजलि

इंदौर। विश्व व्यापी अंतर्राष्टीय संस्थान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका तथा युवा प्रभाग की राष्टीय अध्यक्षा रही 101 वर्षीय राजयोगिनी डॉ. दादी रतनमोहिनी के अव्यक्तारोहण के 13 दिन पूर्ण होने पर रविवार, 20 अप्रैल को प्रातः 8:30 बजे न्यू पलासिया स्थित ज्ञानशिखर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ के सदस्यों के साथ शहर के सभी वर्गों के गणमान्य लोग उपस्थित होकर दादीजी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने बताया कि दादी मात्र 12 वर्ष की अल्पायु में ही संस्था के स्थापना के समय साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्माबाबा के संपर्क में आई और 1 वर्ष पश्चात ही अपना जीवन समर्पित कर देश-विदेश में ईश्वरीय सेवाओं की आधारमूर्त बन 101 साल की उम्र तक अथक सेवाएं करते 8 अप्रैल को अपने पुराने देह का त्याग किया। आपने 70 हजार से अधिक दूरी की पदयात्रा कर भारतीय संस्कृति, मूल्यों एवं आध्यात्म का सारे विश्व में प्रचार प्रसार किया। इस संस्थान को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपका अमूल्य योगदान रहा है।

शहर से लगे हुए गांव में और बाईपास के ऊपर भी इस प्रकार से जलाई जा रही है पराली

इंदौर। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने कहा कि इंदौर एवं आसपास के जिलों में जिस प्रकार से गेहूं के खापों नरवाई को जलाया जा रहा है इससे कहीं इंदौर है मालवा प्रांत की हालत भी प्रदूषण के मामले में दिल्ली या मुंबई जैसी ना हो जाए।

किसान नेता ने आगे कहा की जिस शहर ने स्वच्छता के मामले में पूरे देश एवं प्रदेश में चार चांद लगा दिए हैं इस शहर में बाईपास एवं बिल्कुल शहर से लगी हुई कॉलोनी में गेहूं के खापों नरवाई को जलाया जा रहा है और यहां तक की नगर निगम की गाड़ियां कचरे का ढेर इंदौर शहर की सीमा से लगे हुए गांव में ढो जाती है एवं नगर निगम के कर्मचारी इसमें आग लगा देते हैं और सरकार और नगर निगम के अधिकारी आंख मन कर बैठे रहते हैं।

मंडलोई ने घोषणा की की मैं अगले रविवार को किसानों को जागरूक करने के लिए भरी दोपहरी में दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक शरीर के ऊपर के कपड़े निकाल कर सत्याग्रह करूंगा वह किसान भाइयों से आग्रह करूंगा कि पराली ना जलाएं।

इंदौर के विमानतल पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने आत्मीय स्वागत किया।

100 गांवों का गेहूं खरीदने वाला बरलाई साइलो केन्द्र 10 दिन से बंद

इंदौर। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र का बरलाई शिप्रा साइलो गेहूं खरीदी केंद्र जहां सांवेर विधानसभा क्षेत्र के आधे से अधिक गांवों का गेहूं तुलता था वहां अपनी क्षमता के अनुसार भर गया इस कारण पिछले 10 दिन से बंद है परंतु इसके बाद भी निकम्मी सरकार ने किसानों के गेहूं खरीदने का कोई इंतजाम नहीं किया खरीदी केंद्र पर अप्रैल माह की 42 डिग्री गर्मी में अन्नदाता तीन दिनों तक भूखे प्यासे वहां पर पड़ा रहा और मजबूरी में हजारों ट्रैक्टर ट्रालियां किसान अपने घर पर लेकर गए और डबल भाड़ा देना पड़ा। किसान नेता ने आगे कहा कि पहले किसानों का गेहूं सोसाइटियों के माध्यम से गांव वाले वहीं पर तोल देते थे परंतु विगत कुछ वर्षों से प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मोदी एवं अमित शाह के दबाव में आकर गुजरातियों की कंपनी अडानी अंबानी ग्रुप को फायदा पहुंचाने के लिए शिप्रा मांगलिया क्षेत्र के खरीदी केदो को साईलो के सुपुर्द कर दिया जो कि बंद पड़ा है जिसके कारण किसान शादी ब्याह के मौसम में परेशान हो रहा है और बिचौलियों को अपना गेहूं सस्ते दाम पर बेचने को मजबूर है। ि

कसान नेता मंडलोई ने चेतावनी दी है कि जल्द से जल्द गेहूं की खरीदी प्रारंभ की जाए एवं किसानों को खरीदी केंद्र पर गेहूं ले जाने का भाड़ा दिया जाए क्योंकि यह भाड़ा अधिकारियों एवं नेताओं की जेब में जा रहा है इसकी भी जांच सीबीआईए किसी स्वतंत्र एजेंसी से करवाई जाए।

यादव विकास सहकारी संस्था मर्यादित के चुनाव 27 वर्ष बाद होंगें

इंदौर। यादव विकास सहकारी संस्था मर्यादित के चुनाव 19 अप्रैल को होने जा रहे हैं संस्था के सदस्य सुभाष यादव ने बताया कि इसके लिए जय माधव जय यादव विकास पैनल ने परिवर्तन को लेकर जनसंपर्क किया है । जहां सदस्यों ने इस बार परिवर्तन पेनल का भरपूर समर्थन मिल रहा है । 19 अप्रैल शनिवार को मतदान स्काउट ग्राउंड चिमन बाग पर सुबह 10. बजे से शाम पांच बजे तक वोट डालें जा सकेंगें ।

जय माधव जय यादव विकास पैनल से सुभाष रामदुलारे यादव, लालू शिवनारायण यादव, विनय त्रिलोकचंद यादव, संदीप मुकेश यादव, अजय कल्लू प्रसाद यादव, शरद रामदुलारे यादव, आकांक्षा बृजेश यादव, राजेश्वरी सूरज यादव पैनल ने घर-घर दस्तक देकर भविष्य की योजनाओं को बताना शुरू किया है ।साथ ही पुराने लोगों की गलतियों को बता रहे हैं ।

जिसके प्रति संस्था के सदस्यों में इस बार परिवर्तन चाहा है । संस्था में 2050 सदस्य हैं संस्था का टर्नओवर 8 करोड रुपए है ।संस्था में 27 सालों से काबिज पदाधिकारी की मनमानी करने के कारण इस बार बदलाव की स्थिति में पैनल को मजबूरी में मैदान में उतरना पड़ा है ।संस्था के सदस्य भी इस बार परिवर्तन चाह रहे हैं । 27 वर्षों बाद इस होने वाले चुनाव में परिवर्तन की भारी लहर दिख रही है ।

नि:शुल्क स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप का आयोजन

इंदौर। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, में एक नि:शुल्क स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय था ङ्कफ्मेडिटेशन स्ट्रेस का एंटीडॉट है कार्यशाला के मुख्य वक्ता रहे डॉ. एम. एस. होरा, जो एक वरिष्ठ माइंड ट्रेनर और मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

उन्होंने युवाओं को यह बताया कि कैसे मेडिटेशन और माइंडफुलनेस तकनीकों के माध्यम से मेंटल स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। डॉ. होरा ने वैज्ञानिक भाषा में समझाया कि जब हम स्ट्रेस में होते हैं, तब शरीर में कॉर्टिसोल नामक हार्मोन बढ़ता है, जो लंबे समय तक उच्च स्तर पर रहने से हृदय रोग, मधुमेह और मानसिक थकान का कारण बनता है। मेडिटेशन से यह हार्मोन नियंत्रित होता है, मस्तिष्क शांत होता है और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

वर्कशॉप में मेडिकल स्टूडेंट्स, रेज़िडेंट डॉक्टरों और फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी ने इसे अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताया।

अमलतास मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर ए के पीठवा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन डॉक्टरों के मानसिक स्वास्थ्य को मज़बूत करने के लिए समय की आवश्यकता हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रोफेसर अभिराज रामचंदानी ने किया। इस अवसर पर मेजर जर्नल डॉक्टर एस के नेमा भीं उपस्थित थे।

योग टेंपल का सीक्रेट्स टू डिजीज फ्री लाइफ हेल्थ शो 20 अप्रैल को

इंदौर। पिछले 50-60 वर्षों में मनुष्य अपने जीवन में ऐसे परिवर्तन ले आया कि अनेकों रोगों से ग्रस्त होने लगा, दिनबदिन रोगों और रोगियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। हर गली मोहल्ले से लेकर छोटे बड़े शहरों तक में हॉस्पिटल्स की बाढ़ सी आ गई है।

खरबों रुपए की अपार धनराशि मेडिकल पर खर्च होने लगी है मेडिकल फील्ड अब सेवा के बजाय एक इंडस्ट्री बन गया है। किंतु स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाकर न सिर्फ रोगों से दूर रहा जा सकता है वरन 80त्न हॉस्पिटल बंद हो सकते है और इस सेव की हुई धनराशि को सकारात्मक कार्यों में इन्वेस्ट किया जा सकता है।

इन्ही सब रोचक और अदभुत तथ्यों के साथ एक अद्भुत और अनूठा पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन रोगमुक्त जीवन के रहस्य योगी मनोज गर्ग, योग टेंपल आयुर्वेद पंचकर्म एवं नेचुरोपैथी हॉस्पिटल द्वारा 20 अप्रैल रविवार को सुबह 7:30 बजे से 13 साजन नगर, नवलखा पर आयोजित किया जा रहा है। जिसके रजिस्ट्रेशन हेतु 9425058031 पर संपर्क करें।

ढाई आखर का कला संवाद 20 अप्रैल को

इंदौर। ढाई आखर एक ऐसा मंच है जिसमें विविध विधायों के कलाकार एवं संवादकर्ता अपनी कला के माध्यम से निर्गुणी तत्वों एवं संवैधनिक मूल्यों को केंद्र में रखकर कला संवाद करते है। रविवार 20 अप्रैल को 3.30 बजे से 5.30 बजे तक जीवन शाला विसर्जन आश्रम नवलखा बस स्टैंड के सामने इंदौर में कला संवाद का आयोजन किया गया है।जिसमे अनुभवी कलाकार एवं नए कलाकार विविध कलाओं से संवाद करेंगे। मीरा एवं मेरा कुनवा समूह गायन एवं नृत्य, समतर बैंड टिमरनी हरदा से हिमांशु, विक्रम बोरदिया एवं लाखन मंडलोई निर्गुण गायन तथा रोहित हरदा प्रस्तुतियां देंगे। शिवानी, रितेश टिमरनी संवाद करेंगे अन्य उपस्थित कलाकार भी अपनी अपनी कलाओं की प्रस्तुति देंगे। इंदौर या आसपास के किसी भी विधा चित्रकला, नाट्य, गायन, वादन, शिल्प, नृत्य में रुचि रखने वाले युवा साथी राकेश यादव 9201665044 से संपर्क करें।

रवि चौधरी, सुनील ठाकुर, हर्षल चौहान द्वारा स्कूल बैग, शिक्षण सामग्री और आइसक्रीम का वितरण

इंदौर। त्रिनेत्रम सामाजिक संगठन की गरीब बच्चों के लिए ऐतिहासिक पहल की गई हे। संस्था के हर्षल चौहान और सुनील ठाकुर ने बताया कि झुग्गी बस्तियों के गरीब बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए एक कदम उठाया है।

जिसके अंतर्गत लालबाग स्थित बस्ती के गरीब बच्चों को स्कूल बैग शिक्षण सामग्री और आइसक्रीम का वितरण छात्र शक्ति के नाम से मशहूर जो हर समय छात्र हित के लिए खड़े रहने वाले रवि चौधरी द्वारा वितरण कराया गया।

झुग्गी बस्ती के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षण सेवा देने वाले पुलिस जवान संजय सांवरे ने बताया कि आज इस बैग वितरण में कक्षा 1,से 12 वी के 50 बच्चे शामिल हुए। आज के बैग शिक्षण सामग्री और आइसक्रीम पाकर बच्चे काफी खुश होकर अच्छी पढ़ाई का विश्वास जताया।

बच्चों के प्रति इस आयोजन को खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पार्थ अशोक भट्ट के द्वारा भी सराहा गया । संस्था के सुमित जाटव ,संदीप पचौरिया, हर्षद पटेल,संजू मीणा,प्रदीप नायक उपस्थित हुए।

कार्टून कोना..........

अपनी दुनिया को सतत जानने -संवारने की प्रक्रिया ही व्यक्तित्व विकास

इंदौर। अन्दर और बाहर की दुनिया को सतत जानने - संवारने की प्रक्रिया ही शिक्षा है।व्यक्तित्व का विकास सफलता की अनंत ऊँचाईयों की राह दिखाता है । बच्चे व्यक्तित्व विकास शिविर में प्रदत्त ज्ञान का समुचित उपयोग करें।

तंग बस्तियों की बालिकाओं के लिए समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क व्यक्तित्व विकास शिविर का शुभारंभ अष्टांग महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए पी एस चौहान, बैंक ऑफ महाराष्ट्र इंदौर जोन के मुख्य प्रबंधक नीलेश वाघमारे एवं शिक्षाविद समाजसेवी डॉ. लता भट्टाचार्य ने किया।

सुविख्यात चित्रकार शुभा वैद्य ने चित्रकला, स्वप्निल व्यास ने पर्यावरण संरक्षण की जरूरत एवं उपाय, राज गुलानी ने योग एवं ध्यान तथा कविता पेंढारकर ने संगीत पर मार्गदर्शन दिया।

सुश्री शुभा वैद्य के मार्गदर्शन में चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। प्रकोष्ठ अध्यक्ष आलोक ने स्वागत उद्बोधन एवं इस 129 वें शिविर की जानकारी दी। सचिव सुबोध भोरास्कर, अविनाश कुलकर्णी, अशोक कापड़नीस, वर्षा पाठक एवं नीलाक्षी वैद्य ने स्वागत किया। संचालन श्याम पांडे एवं आभार सुश्री पुष्पा महाडिक ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रकाश वैद्य, राजेंद्र चौधरी एवं बैंक ऑफ महाराष्ट्र के राकेश जैन भी उपस्थित थे। समाज सेवा प्रकोष्ठ के इस तीन दिवसीय शिविर में बड़ी संख्या में बालिकाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहीं हैं।